भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

डा. अतर सिंह
निदेशक

दि.: 17–07–2021

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का 93वाँ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

दि. 16 जुलाई 2021 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 93वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने आनलाइन प्रतिभाग किया।

समारोह में डा. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भाकृअनुप ने समस्त माननीय अतिथिगणों का अभिवादन किया और बताया कि आज के इस कार्यक्रम में माननीय मंत्रीगणों के साथ ही कुलपतिगण, समस्त उपमहानिदेशक एवं सहायकमहानिदेशक, भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक, वैज्ञानिक एवं किसान भाई भी कार्यक्रम से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020–21 के दौरान फील्ड क्राप्स की 344 किस्में जारी की गई जिसमें 300 क्लाइमेट रेसिसटेंस एवं 17 बायोफोर्टिफाइड किस्में हैं। दलहन में 2015–16 में उत्पादन 16.32 मिलियन टन एवं आयात 5.80 मि.टन था जो कि अब 5 वर्ष बाद 2020–21 में उत्पादन बढ़कर 25.58 मि.टन हो चुका है एवं आयात घटकर मात्र 1.97 मि.टन का रह गया है, अतः हम दलहन में पूर्णतः आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं। धान में बासमती चावल में पिछले वर्ष 2020–21 में 4.6 मि.टन की निर्यात हुई जिसकी वजह से 29 हजार करोड़ से अधिक का धन देश में आया। पूसा संस्थान द्वारा विकसित पूसा बसामती चावल में प्सा बासमती 1121 विश्व का सबसे लम्बा चावल है जो पकने के बाद 2 सेमी. लम्बा हो जाता है और विश्व में पसंद किया जाता है, अन्य लोकप्रिय किस्में पूसा बासमती 1509, पूसा बासमती 6 एवं पूसा बासमती 1718 हैं। निर्यात में इन किस्मों का योगदान 95 प्रतिशत रहा। गेहूँ का उत्पादन पिछले वर्ष 108 मि.टन से ज्यादा का रहा। गेहूँ की किस्मों में प्रमुख किस्में ड.बी.डब्लू. 187, ड.बी.डब्लू. 3226, ड.बी.डब्लू. 2967 एवं ड.बी.डब्लू. एच.डी. 3086 हैं। आई.आई.एच.आर. द्वारा बीज बेच कर 1 करोड़ रू. से अधिक का लाभ प्राप्त किया गया। पशुओं के लिये कोविड–19 वैक्सीन भी विकसित की गई। किसानों तक 15 से अधिक भाषाओं में कृषि एडवाइजरी पहुँचाई गई। 68, 136 प्रवासी श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 214 एग्री स्टार्टअप बनायें हैं। 270 से

ज्यादा लाइसेंस दिये गये हैं। भाकृअनुप द्वारा 11 नये एप बनाये गये हैं। भाकृअनुप को डिजीटल इण्डिया का अवार्ड भी मिला है।

माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर . भाकृअनुप ने 92 वर्ष सफलतापूर्ण पूरे किये इसके लिये भाकृअनुप को बधाई। भाकृअनुप ने देश को अनेक उपलब्धियाँ दी। हमारा देश कृषि प्रधान देश है और देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। कृषि की अर्थव्यवस्था मेरुदण्ड के समान है। कोविड–19 अवधि में अनेक उद्योग धन्धे बन्द हो गये परन्तु कृषि का क्षेत्र पूरी तरह से कार्यरत रहा। आज हम न सिर्फ अपने खाद्यान्न की जरूरतों को पूर्ण करने में सक्षम हैं बल्कि अन्य देशों को निर्यात करने की स्थिति में भी है। यह किसानो, वैज्ञानिकों एवं सरकार की नीतियों से संभव हुआ है।

माननीय कैबिनेट मंत्री (रेल, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार) श्री अश्विनी वैष्णव जी ने कहा कि उनके विभाग की तरफ भाकृअनप को पूरा सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों का माल कम समय में एवं सुरक्षित रूप से पहुँचे इसके लिये भाकृअनुप के वैज्ञानिक रेल विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर कार्य करें और इसे बेहतर बनाने हेतु सुझाव दें।

माननीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रो श्री रूपाला रूपाला जी ने कहा कि समुद्री जल को स्वच्छ करने के लिये और समुद्रीय जीवों के लिये अच्छा वातवारण तैयार करने के लिये हमें टेक्नोलाजी इंटरवेन्शन करने की आवश्यकता है। भाकृअनुप के प्रयासों से आज हम दुग्ध उत्पादन में पहले नंबर पर हैं। पशुओं में एम्ब्रियो टांसफर तकनीकी को बढ़ाना है। देश में अच्छी नस्ल के दुधारू पशु उपलब्ध कराने में काफी संभावनायें हैं।

इस अवसर पर माननीय कृषि मंत्री द्वारा किसान सारथी एप का लांच किया गया एवं संस्थानों, वैज्ञानिकों, केवीके एवं किसानों का पुरस्कृत किया गया।

अन्त में उपमहानिदेशक डा. ए.के. सिंह ने उपस्थिति सभी माननीय अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

93rd ICAR Foundation Day and
Award Ceremony

KVK,ICAR,WEST GARO HILLS,MEGHALAYA

ICAR-Agricultural Technology Application
Research Institute (ATARI), Kanpur
ATARI
Zone-III, Kanpur
ISO 9001:2015